C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4)(1×1)= 9

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकडियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।"

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकटठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बडा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम मे पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था?
2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पडा?
3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए?
4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई?
5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवें बना।
काम पड़ने पर करे जो शेर का भी सामना।।
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना।
'है कठिन कुछ भी नहीं' जिनके है जी में यह ठना।।
कोस कितने ही चलें, पर वे कभी थकते नहीं।
कौन-सी है गाँठ जिसको खोल सकते नहीं।।
'कर्मवीर'
कवि - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

1. चिलचिलाती धूप को चाँदनी बना देने का क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति यह कर सकने में समर्थ होते हैं?
2. कविता के आधार पर बताइए कि कर्मवीरों की क्या विशेषताएँ होती हैं?
3. प्रस्तुत कविता किस सिद्धांत पर आधारित है? आपको इस कविता से क्या प्रेरणा मिली, समझाकर लिखिए।

खण्ड ख

प्र. 3. साधारण वाक्य किसे कहते है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) आप अंदर आइए और बैठ जाइए। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) आप द्वार पर बैठें। उसकी प्रतीक्षा करें। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) बालक रोता रहा और चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

त्रिरंगा, राधा-कृष्ण

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1+1=2

चतुर्भुज, नीलगाय

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=4

(क) मेरे को किसी की चिंता नहीं।

(ख) वह दिनों-रात काम करता है।

(ग) हम आपके घर कल आएगा।

(घ) यहाँ नहीं लिखो।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

1. मिट्टी में मिल जाना
2. आँख खुलना

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया।

(ख) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?

(ग) दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

प्र. 8 ब लेखक रवीन्द्र केलकर के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए। 5

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

(ख) कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?

(ग) कवयित्री को आकाश के तारे स्नेहहीन से क्यों प्रतीत हो रहे हैं?

प्र. 9 ब कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों? 5

प्र. 10. एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा? 5

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

- त्योहारों का महत्त्व
- भारतीय तथा पाश्चात्य संस्कृति

प्र. 12. आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्त्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए। 5

प्र. 13. छात्र-परिषद की बैठक के लिए सूचना-पत्र लिखिए। 5

प्र. 14. मालिक और कर्मचारी के बीच हो रहा संवाद लिखिए। 5

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5
परफ्यूम विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4)(1×1)= 9

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकडियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।"

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकटठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बडा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम मे पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था?

   उत्तर : नगर में यह अफवाह फैल गई थी कि जंगल में एक 'घंटाकरण नाम भूत रहता है। उसके कान घंटे के समान हैं। जब वह हिलता है, तो उसके कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह का कारण यह था कि एक बंदर के हाथ में घंटा आ गया था। जब वह उसे बजाता था, तो लोगों को घंटाकरण भूत का भ्रम हो जाता था।

2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पडा?

   उत्तर : जंगल किसी कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया था। नगर निवासी भयभीत हो गए थे। लकडहारे जंगल से लकडी नहीं लाते थे और चरवाहे पशुओं को चराने वहाँ नहीं जाते थे, इस प्रकार से सारे आवश्यक कार्य ठप्प हो गए थे।

3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए?

   उत्तर : राजा की चिंता का यह कारण था कि जंगल से होने वाली हजारों रुपए की सालाना आमदनी बंद हो गई थी। भयवश कोई भी जंगल में नहीं जाता था तथा जंगल के सारे कार्य रुक गए थे। जंगल से भूत को भगाने के लिए मुस्लिमों ने कुरान का पाठ किया, पीर-पैगंबर को मनाया गया, भैरों तथा काली माता को भी मनाया गया, जादू-टोना किया गया, पर कोई भी सफल न हुआ। पंडितों ने चंडी कर जाप तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया।

4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई?

उत्तर : चतुर मनुष्य का स्पष्ट मत था कि जंगल में कोई भूत हो ही नहीं सकता, क्योंकि भूत केवल कल्पना में होते हैं। उसका अनुमान था कि या तो यह किसी डाकू का षडयंत्र है या फिर किसी बंदर के हाथ में घंटा आ गया है। उसने साधु के वेश में जंगल में जाकर बंदर की बात को सत्य पाया। उसने बहुत सारे चने ले जाकर जंगल में बिखेर दिए। जब बंदर चने खाने लगे, तो उसने घंटा उठा लिया और नगरवासियों को भूत के भ्रम से मुक्ति दिलाई।

5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

उत्तर : प्रस्तुत गद्यांश से हमें यह शिक्षा मिली कि हमें अंधविश्वासी नहीं होना चाहिए। जनता में जागरूकता लानी चाहिए ताकि वे ऐसे अंध विश्वास से बचे।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवें बना।
काम पड़ने पर करे जो शेर का भी सामना।।
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना।
'है कठिन कुछ भी नहीं' जिनके है जी में यह ठना।।
कोस कितने ही चलें, पर वे कभी थकते नहीं।
कौन-सी है गाँठ जिसको खोल सकते नहीं।।
'कर्मवीर'
कवि - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

1. चिलचिलाती धूप को चाँदनी बना देने का क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति यह कर सकने में समर्थ होते हैं?

उत्तर : इसका तात्पर्य है कि कर्मवीर चिलचिलाती धूप में भी उसी उत्साह व लगन से काम करते हैं, जैसे चाँदनी की शीतलता में काम कर रहे हों, क्योंकि कर्मवीरों के लिए कुछ भी असंभव

नहीं है। उनका लक्ष्य 'कर्म' ही है, उन्हें कोई भी परिस्थिति प्रभावित नहीं कर सकती।

2. कविता के आधार पर बताइए कि कर्मवीरों की क्या विशेषताएँ होती हैं?

उत्तर :

1. कर्मवीर साहसी, उत्साही और कर्मठ होते हैं।
2. वे कार्य को टालने नहीं हैं।
3. कर्मवीर भाग्य के भरोसे नहीं रहते।
4. कर्मवीरों की इच्छा शक्ति दृढ़ होती है।
5. किसी भी कार्य को भी संभव कर देते हैं।

3. प्रस्तुत कविता किस सिद्धांत पर आधारित है? आपको इस कविता से क्या प्रेरणा मिली, समझाकर लिखिए।

उत्तर : प्रस्तुत कविता कर्म पर आधारित है। हमें इससे यह प्रेरणा मिलती है कि हमें भी कर्मवीरों की तरह हर काम उत्साह, लगन व साहस से करना चाहिए। भाग्य के भरोसे बैठने वाला व्यक्ति जीवन में तरक्की नहीं कर सकता। हमें भी भाग्य पर नहीं, पुरुषार्थ पर विश्वास रखना चाहिए। कर्म पर विश्वास रखने वाला व्यक्ति अपने बुरे समय को भी अच्छे समय में बदल देता है। कर्म द्वारा ही मनुष्य जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

खण्ड ख

प्र. 3. साधारण वाक्य किसे कहते है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

उत्तर : जिस वाक्य में केवल एक ही उद्देश्य व मुख्य क्रिया हो, वह साधारण वाक्य कहलाता है। जैसे -

उदाहरण : अमर पुस्तक पढ़ रहा है।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) आप अंदर आइए और बैठ जाइए। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : संयुक्त वाक्य

(ख) आप द्वार पर बैठें। उसकी प्रतीक्षा करें। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर : जब आप द्वार पर बैठे तब उसकी प्रतीक्षा करें।

(ग) बालक रोता रहा और चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : बालक रो-रोकर चुप हो गया।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

त्रिरंगा, राधा-कृष्ण

उत्तर : त्रिरंगा - तीन रंगों का समाहार - द्विगु समास

राधा-कृष्ण - राधा और कृष्ण - द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1+1=2

चतुभुर्ज, नीलगाय

उत्तर : चार है भुजाएँ जिसकी अर्थात् विष्णु - चतुभुर्ज - बहुव्रीहि समास

नीली है जो गाय - नीलगाय - कर्मधारय समास

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=4

(क) मेरे को किसी की चिंता नहीं।

उत्तर : मुझे किसी की चिंता नहीं।

(ख) वह दिनों-रात काम करता है।

उत्तर : वह दिन रात काम करता है।

(ग) हम आपके घर कल आएगा।

उत्तर : हम कल आपके घर आएँगे।

(घ) यहाँ नहीं लिखो।

उत्तर : यहाँ मत लिखो।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

1. मिट्टी में मिल जाना - नष्ट हो जाना
   अगर मेहनत नहीं करोगे तो सपने मिट्टी मे मिल जाएँगे।
2. आँख खुलना - होश आना
   जब लोगो ने उसकी सारी संपत्ति हड़प ली तब उसकी आँखें खुलीं।

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया।

उत्तर : वामिरो ने तताँरा को बेरुखी से जवाब दिया कि वह कौन है, उसे क्यों घूर रहा है और उसके इस तरह असंगत प्रश्नों के उत्तर वह क्यों दे? वह अपने गाँव के अतिरिक्त किसी अन्य युवक के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं है और यह बात वह भी जानता है।

(ख) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?

उत्तर : धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस पुलिस की जनता पर लाठियाँ बरसाने, लोगों के घायल होने और सुभाष बाबू की गिरफ्तारी के कारण टूट गया।

(ग) दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर : दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में यह परिवर्तन आया कि वह पहले की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही स्वच्छंद और मनमानी करनेवाला बन गया था।

प्र. 8 ब लेखक रवीन्द्र केलकर के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : लेखक के अनुसार सत्य वर्तमान है। उसी में जीना चाहिए। हम अक्सर या तो गुजरे हुए दिनों की बातों में उलझे रहते हैं या भविष्य के सपने देखते हैं। इस तरह भूत या भविष्य काल में जीते हैं। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। हम जब भूतकाल के अपने सुखों एवं दुखों पर गौर करते हैं तो हमारे दुख बढ़ जाते हैं। भविष्य की कल्पनाएँ भी हमें दुखी करती हैं। क्योंकि हम उन्हें पूरा नहीं कर पाते। जो बीत गया वह सत्य नहीं हो सकता। जो अभी तक आया ही नहीं उस पर कैसे विश्वास किया जा सकता है। वर्तमान ही सत्य है जो कुछ हमारे सामने घटित हो रहा है। वर्तमान ही सत्य है उसी में जीना चाहिए।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : मीराबाई की भाषा शैली राजस्थानी मिश्रित ब्रजभाषा है। इसके साथ ही गुजराती शब्दों का भी प्रयोग है। इसमें सरल, सहज और आम बोलचाल की भाषा है। पदावली कोमल, भावानुकूल व प्रवाहमयी है। मीराबाई के पदों में भक्तिरस है। इनके पदों में अनुप्रास, पुनरुक्ति प्रकाश, रुपक, उत्प्रेक्षा आदि अलंकार का प्रयोग हुआ है। अपनी प्रेम की पीड़ा को अभिव्यक्त करने के लिए उन्होंने अत्यंत भावानुकूल शब्दावली का प्रयोग किया है। इनके पदों में माधुर्य गुण प्रमुख है और शांत रस के दर्शन होते हैं।

(ख) कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?

उत्तर : यह तोप हमारी विजय और आज़ादी के प्रतीक के रूप में एक महत्त्व की वस्तु बन गई है। भारत की स्वतंत्रता के

प्रतीक चिह्न दो बड़े त्योहार 15 अगस्त और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस है। इन दोनों अवसरों पर तोप को चमकाकर कंपनी बाग को सजाया जाता है। इससे शहीद वीरों की याद दिलाई जाती है ताकि लोगों के मन में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ावा मिले।

(ग) कवयित्री को आकाश के तारे स्नेहहीन से क्यों प्रतीत हो रहे हैं?

उत्तर : कवयित्री को आकाश के तारे स्नेहहीन नज़र आते हैं। क्योंकि इनमे कोई भाव नहीं हैं, यह यंत्रवत होकर अपना कर्तव्य निभाते हैं। प्रेम और परोपकार की भावना समाप्त हो गई है। इसलिए उसे आकाश के तारे स्नेहहीन लगते हैं।

प्र. 9 ब कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों? 5

उत्तर : कवि ने तालाब की तुलना दर्पण से की है क्योंकि तालाब का जल अत्यंत स्वच्छ व निर्मल है। वह प्रतिबिंब दिखाने में सक्षम है। दोनों ही पारदर्शी, दोनों में ही व्यक्ति अपना प्रतिबिंब देख सकता है। तालाब के जल में पर्वत और उस पर लगे हुए फूलों का प्रतिबिंब स्वच्छ दिखाई दे रहा था। काव्य सौंदर्य को बढ़ाने के लिए, अपने भावों की पूर्ण अभिव्यक्ति के लिए कवि ने ऐसा रूपक बाँधा है।

प्र. 10. एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा? 5

उत्तर : एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को कई भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा जैसे वह अध्यापकों की हँसी का पात्र होता क्योंकि कमजोर लड़कों के रूप में अध्यापक उसका ही उदाहारण देते थे। फेल होने के कारण उसके कोई नए मित्र भी नहीं बन पाए। मास्टर उसकी किसी भी बात पर ध्यान ही नहीं

देते थे। वह किसी से शर्म के मारे खुलकर बातें नहीं कर पाता था।

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

त्योहारों का महत्त्व

भारत में विभिन्न धर्म विद्यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्यमान है। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के प्रतीक है जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रुप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखण्डता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदि काल से ही काफी महत्त्व रहा है। परंतु आज यह देखकर दुख होता है कि लोग त्योहार के प्रति नीरसता दिखाने लगे है। इसके कई कारण है - आज की जीवनशैली, बढ़ता काम का तनाव, महंगाई आदि।

आज के युग में मनुष्य बहुत अधिक व्यस्त रहता है। उसे समय ही नहीं कि त्योहार के लिए तैयारी करे। इसके अलावा आज महँगाई इतनी बढ़ गई है कि दो वक्त का खाना भी कई लोग मुशिकल से पाते है उसमें त्योहार का खर्च कहाँ करेंगे। आज के युग में मनुष्य संयुक्त परिवार में नहीं रहता जिससे भी त्योहार मनाने का उत्साह फीका पड़ जाता है।

भारतीय तथा पाश्चात्य संस्कृति

किसी भी संस्कृति में अनेक आदर्श रहते हैं आदर्श मूल्य है और मूल्यों का मुख्य संवाहक संस्कृति होती है। हमारे देश की संस्कृति बहुत समृद्ध है। देश में अनेक विदेशी राजाओं के प्रभाव से स्वयं को बचाती हुई तथा अन्य धर्मों के गुणों को आत्मसात करती हुई हमारी संस्कृति फली-फूली है। भारतीय संस्कृति में मुख्य रूप से चार मूल्यों की प्रधानता दी गयी है

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। विभिन्न वेद शास्त्र हमारी संस्कृति का हिस्सा है इसके अतिरिक्त भारत की अन्य परम्पराएँ जैसे अतिथि देवो भवः, सामाजिक आचार व्यवहार, शरणागत रक्षा, सर्वधर्म, समभाव, वसुधैव कुटुम्ब कम, अनेकता में एकता जैसी प्रमुख है।

आज पश्चिमी संस्कृति हम पर हावी है। भारत की भाषाएँ वेशभूषा, वस्तुएँ, जीवन शैली सब पश्चिमी हो गई है, जो देश के भविष्य के लिए खतरा है। भारत में संयुक्त परिवार को और पश्चिम में एकल परिवार को महत्त्व दिया जाता है। डिस्को, पब, शराब, सिगरेट आदि पीना जीवन शैली के अंग बन गये है। समाज दिशाहीन हो रहा है युवाओं को अतीत के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

पश्चिमी सभ्यता से हम खाना-पीना पहनना सीख सकते हैं तो उनकी तरह अपने देश को सुंदर व साफ़ रखना भी हमें सिखना चाहिए। पश्चिमी सभ्यता से प्रेरित होकर औरत भी अपने विचार प्रकट कर सकती है और घर की चाहरदीवारी से बाहर निकल पाई है।

प्र. 12. आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्त्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए। 5

सेवा में,

पुलिस कमिशनर,

आजाद चौक,

चंडीगढ़

विषय : नगर में बढ़ते हुए असामाजिक तत्वों के विषय में शिकायती पत्र।

महोदय

मैं माणिकपुर, आजाद चौक का निवासी हूँ। इस पत्र द्वारा में आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे यहाँ पिछले कुछ दिनों से कुछ असामाजिक तत्व आ गये हैं जिसके कारण

हमारे क्षेत्र में अपराध की घटनाएँ बढ़ गई है। हर आए दिन कहीं न कहीं से चोरी और लूटमार की घटना सुनाई पड़ती ही रहती है जिसके कारण घरों को अकेले छोड़ना मुश्किल हो गया है, हर समय किसी न किसी को घर में रहना ही पड़ता है। इतना ही नहीं नगर में नशीले पदार्थों का विक्रय खुले आम हो रहा है। सड़कों और गलियों में बच्चों और महिलाओं का निकलना सुरक्षित नहीं रह गया है। बस-स्टॉप तथा चौराहे पर गुंडे किस्म के लोग छेड़-छाड़ करते पाए जाते हैं।

अत: आपसे अनुरोध है कि नगर की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए ताकि निवासी सुरक्षित महसूस कर सकें।

सधन्यवाद।

भवदीय

कमल शर्मा

2/42, सरला निवास,

आजाद चौक,

माणिकपुर,

चंडीगढ़

दिनाँक - 27 फरवरी 2015

प्र. 13. छात्र-परिषद की बैठक के लिए सूचना-पत्र लिखिए। 5

सूचना

आर्य पब्लिक स्कूल

हरियाणा

विद्यालय में अनुशासन एवं अनियमितता की समस्याओं पर छात्र-परिषद की बैठक का आयोजन किया गया है -

दिनांक : 24 फरवरी 20

समय : सुबह 8 बजे

जगह : प्रधानाचार्य कार्यालय

प्रधानाचार्य

21 फरवरी 20_ _

प्र. 14. मालिक और कर्मचारी के बीच हो रहा संवाद लिखिए। 5

मालिक : आज भी आप देरी से आए!

कर्मचारी : माफ़ करना साहब।

मालिक : कभी-कबार मैं समझ सकता हूँ परंतु लगातार देरी से आना अच्छा नहीं।

कर्मचारी : क्या करूँ घर पर कुछ न कुछ काम से देरी हो ही जाती है।

मालिक : आप ऐसा तर्क न दे समझे?

कर्मचारी : जी ..

मालिक : यहाँ सभी कर्मचारी के घर पर कोई न कोई समस्या रहती है पर सभी आ ही जाते है।

कर्मचारी : मैं आगे से ध्यान रखूँगा।

मालिक : हाँ तुम्हें रखना ही होगा। इससे ऑफिस का शिष्टाचार खराब होता है।

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

परफ्यूम विज्ञापन तैयार कीजिए।

तराना परफ्यूम

दिन भर महकते रहने का अरमान,
अब पूरा होगा तराना परफ्यूमस के साथ।